

14.12.21. बार-बार आवाज दिलावाई गई। न अधिवक्ता
अपीलान्ट और न अपीलान्ट स्वयं उपस्थित आये
अतः पत्रावली अदम्य हाजरी, अदम्य पैरवी में
स्वारिज की जाली है। पत्रावली फैसल शुमार
होकर भस्कर से कम की जावे, बाद जाला
दाखिल दफ्तर हो।

सुभाष चव्हाण,
बरेल
भाबल्ल वपील माधिकापी
बनारस डीप-डीपपुर